

ः असाधारण EXTRAORDINARY

HIT I—Section 1

श्रीधकार से प्रकारिकत PUBLISHED BY AUTHORITY

d. 11]

गई विस्सी, बुधनार, जनवरी 15, 1992/पौव 25, 1913

No. 11) NEW DELHI, WEDNESDAY, JANUARY 15, 1992/PAUSA 25, 1913

इत्य भाग में भिन्न पृष्ठ संस्था दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के कप में रचा चा सकें

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

वाणिज्य मंत्रालय

म्रायात व्यापार नियंत्रण

सार्वजनिक सूचना सं. 266-- आईटीसी (पीएन)/90-93

नई दिल्ली, 15 जनवरी, 1992

फा. सं. 1/3/ब्रार ईपी / 85-ई पी सी-(पार्ट) :--वाणिज्य मंत्रालय की सार्वजितक सूचना सं. 1--ब्राई टी सी (पी एन) / 90-93 दिनांक 30 मार्च, 1990 के श्रन्तगंत प्रकाशित श्रप्रैल, 1990--मार्च 1993 के लिए यथासंशोधित श्रायात-निर्यात नीति की ओर ध्यान दिलाया जाता है।

2. नीति में उपर्युक्त स्थानों पर नीचे दिये गये श्रन्सार निम्नलिखित संशोधम किये जाएंगे :---

कम स

सन्दर्भ

संशोधन

नीति, 1990-93

श्रायात-निर्यात

(खण्ड-1) की

पष्ठ मं .

1

1.

72

ग्रध्याय--- 19

मुल्क मुक्त योजना पैरा 229 (2) ___

इस उप पैरा के प्रथम बाक्य में "उप पैरा (3) के नीचे" णब्दों और अंकों के स्थान पर "ग्रायात नीति का पैरा

270--क" शब्द और अंक प्रतिस्थापित किये जाएंगे।

2	THE GAZETTE OF INDIA: EATRAORDINART			LIANI I-SEC. I
1	2	3	4	·
2.	72	ग्रध्याय—- 19 शुल्क मुक्त योजना पैरा 229 (3)	इस पैरा कोहटा दिया जाएगा।	
3.	79	ग्रध्याय—- 19 श्रुत्क मुक्त योजना पैरा 270	इस पैरा के बाद निम्नलिखित को जोड़ ''हरतांतरणीय श्रिष्मि लाइसेंस 270—क (1) विशिष्ट उत्पादों के का शुल्क मुक्त श्रायात देने की	निर्यात पर पूंजी निवेश

- 270—क (1) विभिष्ट उत्पादों के निर्मात पर पूंजी निर्मेण का मुल्क मुक्त श्रायात देने की व्यवस्था के लिए हस्तां-तरणीय श्रम्भिम लाइसेंस सीभागृत्क ग्रिधसूचना के श्रनुमार दिये जाएंगे।
- (2) हस्तान्तरणीय प्रिष्मि लाइसेंस निर्यातोत्तर प्राधार पर और वास्तविक निर्यात के मददे निर्यात प्राय की वसूली के बाद जारी किए जाएंगे हस्तांतरणीय अग्निम लाइसेंस वास्तविक जपयोक्ता भर्त के बगैर होंगे और ये मुक्त रूप से हस्तांतरणीय होंगे। यह लाइसेंम जब जारी किए जाएगें उन पर "आयात नीति 1990-93 के पैकिंग 270-क की मतों के अनुमार जारी हस्तां-तरणीय अग्निम लइसेंम" मब्द लिखे होंगे।"
- (3) हस्तांतरणीय अग्रिम लाध्सेंस की सुविधा केवल श्रायात नीति के परिणिष्ट 13-ग में सूचीबद्ध इंजीनियरी, जर्म और वस्त्र उत्पादों के लिए ही उपलब्ध है। निवेश/उत्पादन श्रनुपात के साथ श्रायात की सदें जिनके श्राधार पर हस्तांतरणीय श्रग्निम लाइसेंस की सुविधा उपलब्ध है, वे मदें हैं जो केवल परिशिष्ट 13-ग में उल्लिखित उपर्युक्त विणत उत्पादों के सामने निर्विष्ट की गई हैं।
 - (1) सभी किस्म के फैब्रिक्स
 - (2) इलास्टिक वैविग, और
 - (3) सिंथेटिक वेस्ट के द्यायात की सुविधा हस्तां-तरणीय द्यग्रिम लाइसेंस के श्रन्तर्गत प्रनुमत नहीं है।
- (4) इस नीति के परिणिष्ट 13-ग में यथानिर्दिष्ट निर्यात किये गये इंजीनियरी, चर्म और वस्त्र उत्पाद के लिए मंगत निवेश/उत्पाद मालदण्ड पर श्राधारित माल्ला महित निवेश के श्रायात को शामिल करने के लिए पर्याप्त मृह्य के हस्तांतरणीय श्र्यिम लाइसेंस जारी किये जाएंगे। इस प्रयोजन के लिए श्रावेदक इस नीति के परिशिष्ट 13-ग की संगत कम सं का उल्लेख करेगा। लागत, बीमा, भाड़ा मृह्य की णती के श्रनुसार हस्तांतरणीय श्रियमों लाइसेंसों की श्रधिकृतम श्रायात सीमा 75% तक सीमित होगी। तथापि, इस नीति के परिशिष्ट 13-थ में उल्लिखन उत्पादों के मम्बन्ध में संगत मूल्य वर्धन मानदण्ड ही लागू होंगे। उन मामलों में जहां निर्यात से श्राय की धसूली मुक्त विदेशी मुद्रा

1 2 3

4

के श्रलावा होगी, वहां हस्तांतरणीय श्रियम लाइसेंस का मूल्य 30% श्रायात सीमा तक सीमित होगा। हस्तां-तरणीय श्रिम लाइसेंस में परिणिष्ट 13-ग में उिल्लाखित निर्यात किये गये उत्पादों से संगत मानदण्ड के अनुसार श्रायात की मदें और मान्ना निर्दिष्ट होगी। श्राचग-श्रलग मदों के सम्बन्ध में, जहां परिणिष्ट 13-ग के मानदण्ड मूल्य के श्रनुसार है वहां श्रलग-श्रलग मूल्य प्रतिबंधों का उल्लेख करने की श्रावण्यकता नहीं होगी।

- (5) हस्तांतरणीय ग्रिप्रिम लाइसेंस की सुविधा केवल 15 जनवरी, 1992 से किये गये निर्यात जिसके लिये निर्यातक ने निम्न-लिखित दावों का लाभ नहीं उठाया है, उपलब्ध होगी :--
- (1) श्रीग्रम लाइसेंस योजना के अन्तर्गत गुल्क से छूट ;
- (2) गुल्क वापसी ;
- (3) मोशाबट
- (4) प्रीफार्मा केंब्रिट ; और
- (5) केन्द्रीय उत्पाद मुल्क के नियम 191 क और 1991 ख के अन्तर्गत लाभ।

इसके अतिरिक्ष्य हस्तासंरणीय अग्निम लाइसेंस की सुविधा केवल ऐसे निर्पातों के भद्दे उपलब्ध होगी जो बस्बई, कलकत्ता, कोचीन, कान्डला, मंगलौर, मार्मगोबा, मद्रास, नावासेवा, पाराडीप, तूतीकोरिन और विशाखापटनम स्थिय समुद्री पत्तनों से या अहमदाबाद, बंगलोर, बस्बई, कलकत्ता, दिल्ली, जयपुर, वाराणसी, श्रीनगर, लिवेन्द्रम, हैदराबाद तथा मद्रास स्थित किन्ही विमानगत्तनों के माध्यम से या बंगलौर, कोयस्बद्धर, दिल्ली, न्यू गोहाटी माल गोदाम, मुरादाबाद, लुधिपाना तथा हैदराबाद स्थित किन्ही आन्तरिक कन्टेनर डिपो के माध्यम से किए गए हों।

(6) इस्तांतरणीय श्रिप्रिम लाइसेंस के लिए ग्रावेदन करने की कियाविधि प्रक्रिया पुस्तक (खण्ड-1) 1990-93 के ग्रध्याय 19 के पँग 368-ख में दी हुई है।

4. प्रक्रिया पुस्तक में निम्नलिखित संगोधन तीचे निर्दिष्ट उपयुक्त स्थानों पर किए जाएंगें :---

1 2 3

80 अध्याय-19 मुक्त मुक्त योजना इस पैरा के बाद निम्नलिखित को जोड़ा जाएगा :— पैरा 368-क "हस्तांतरणीय अग्निम लाइसेंसी

> 368-ख (1) ब्रायात नीति के पैरा 270-क द्वारा यथासमा-विष्ट हस्तातंरणीय ब्रिक्ष्म लाइसेंगों की मंजूरी के लिए ब्रावेधन पत्न पिर्णिष्ट 19-ध में दिए गए प्रपत्न में, इस पुस्तर के परिशिष्ट 2-ख में दिए हुए क्षेत्राधिकार के ब्रनुसार संअधित

^{3.} यथासंशोधित प्रक्रिया पुस्तक, 1990-93 तथा वाणिज्य मंत्रालय की सार्वजनिक सूचना स. 2-श्राई टी सी (पी एन) 90-93, दिनांक 30 मार्व, 1990 की ओर ध्यान श्राकपित किया जाता है।

1 2 3 4

लाइमेंसिंग प्राधिकारियों को जो उप मुख्य नियंक्षक, ध्रायात-निर्यात के रैंक से कम के न हों, दिए जाने चाहिए । ग्रावेदन पत्न के सबसे उपर "हस्तांतरणीय प्रग्रिम लाइसेंस के लिए भ्रावेदन-पत्न" शब्दों का उल्लेख होना चाहिए। ग्रावेदन पत्नों के साथ निम्नलिखित दस्तावेज होने चाहिए :—

- (1) पोतलबान बिल अथवा निर्यात बिलों की ई पी प्रति, जिसमें निर्यात स्वीकृत करने वाले सीमाशुरुक कार्यालय के अधिकारी का हस्तान्तरणीय अग्रिम लाइसेंस की मंजूरी के लिए विजेष रूप से पृथ्ठांकन हों ।
- (2) निर्धारित प्रपन्न में निर्यात और ग्रिधिप्राप्ति का बैक प्रमाण-पन्न, और
- (3) श्रावेदन शुरुक के लिए उपयुक्त धनराशि की बैक रसीद डिमाण्ड श्रापट ।
- 2. ग्राभिलेखों की जांच करने के उपरान्त संबंधित लाइसेंसिंग प्राधिकारी ऐसे मूल्य का हस्तान्तरणीय ग्राग्रिम लाइसेंस, ग्रायान नीति (खण्ड-1), 1990-93 के पैरा 270 (4) के उपबन्धों को ध्यान में रखकर जारी करेंगें। ऐसे मामलों में डी ई ई सी बुक की ग्रावश्यकता नहीं होगी।
- संबंधित लाइसेंसिंग प्राधिकारी हस्तान्तरणीय श्राप्तिम लाइसेंस पर निम्नलिखित पृष्ठांकन भी करेंगें :→

- 4. हस्तान्तरणीय अश्रिम लाइसेंस जारी करते समय संबंधित लाइसेंसिंग प्राधिकारी निर्यात अभिलेख/अभिलेखों पर, जिसके मव्दे संबंधित लाइसेंस जारी किया गया है, ऐसे लाइतेंस की मंजूरी के तथ्य को पृष्ठांकित करेंगें।
 - 5. लाइसेंस जारी हो जाने पर के बाद हस्तान्तरणीय अग्रिम लाइसेंस पर लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य में वृद्धि के लिए कोई अनुरोध स्वीकार नहीं किया जाएगा ।

MINISTRY OF COMMERCE

IMPORT TRADE CONTROL

PUBLIC NOTICE NO. 265-ITC(PN)/90-93

New Delhi, the 15th January, 1992

Subject:-Import and Export Policy for April 1990-March 1993.

F. No. 1/3/REP/85-EPC. -Attention is invited to the Import and Export Policy for April 1990—March 1993, published under the Ministry of Commerce Public Notice No. 1-ITC(PN)/90-93 dated the 30th March, 1990, as amended.

2. The following amendments shall be made in the Policy at appropriate places indicated below:—

SI. No.	Page No. of Import and Export Policy, 1990—93 (Volume 1)	Reference	Amendment
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	72	Chapter XIX—duty exemption scheme para 229(2)	In the first sentence of this sub-para, the words & figures "Sub-para (3) below" shall be substituted by "Para 270-A of the Import Policy".
2.	72	Chapter XIX—Duty exemption scheme para 229 (3)	This sub-para shall be deleted.
3.	79	Chapter XlX-Duty exemption scheme para 270	After this para, the following shall be added:— "TRANSFERABLE ADVANCE LICENCE 270-A(1) Transferable Advance Licence may be granted to provide duty free import of inputs on the exports of specified products, in accordance with the customs notification.
			(2) The Transferable Advance Licence will be issued on post export basis and after realisation of the export proceeds against physical exports. The Transferable Advance Licence shall be without actual user condition and would be freely transferable. Such licences will be issued superscribing the words "Transferable Advance Licence issued in terms of Para 270-A of the Import Policy 1990—93".
			(3) The facility of Transferable Advance Licence is available only on exports of Engineering, Leather and Textile products listed in Appendix 13-C of the Import Policy. The items of import with input/output ratio, based on which the facility of Transferable Advance Licence is available, are those indicated against the abovementioned products appearing only in Appendix 13-C. The facility of import of (i) Fabrics all sorts; (ii) Elastic Webbings; and (iii) Synthetic Waste will not be allowed under Transferable Advance Licences.

(1) (2) (3)

- (4) The Transferable Advance Licence may be issued for a value adequate to cover imports of inputs with quantities based on the input/output norms relevant to the Engineering, Leather and Textile product exported as specified in Appendix 13-C of this policy. For this purpose, applicant will indicate the relevant Sl. No. of Appendix 13-C of this policy. In terms of cif value the maximum import intensity of Transferable Advance Licence will be limited to 75%. However, in respect of products appearing in Appendix 13-D of this policy the relevant value addition norms only would be applicable. In cases, where realisation of export proceeds is other than in free foreign exchange, the value of Transferable Advance Licence would be restricted to 30% import intensity. The Transferable Advance Licence will indicate the items of import with quantities in accordance with the norms relevant to the products exported and mentioned in Appendix 13-C. There will be no necessity to indicate individual value restrictions against the individual items except where the norms in Appendix 13-C are in terms of value.
- (5) The facility of Transferable Advance Licence will be available only on exports made from 15th January, 1992, against which the exporter has not claimed the following benefits:—
 - (i) Duty exemption under Advance Licensing Scheme:
- (ii) Duty Drawback;
- (iii) MODVAT:
- (iv) Proforma credit; and
- (v) Benefit under Rules 191A and 191B of Central Excise.

Further, the facility of Transferable Advance Licence will be avaitable only against such exports which have been made from sea ports at Bon bay, Calcutta, Cechin, Kandla, Mangalore, Marmugoa, Madras, Navasheva, Paradeep, Tuticorin and Vishakhapatnam or through any of the airports at Ahmedabad Bangalore, Bombay, Calcutta, Delhi, Jaipur, Varanasi, Srinagar, Trivandrum. Hyderabad and Madras or through any of the Internal Container Depots at Bangalore, Coimbatore, Delhi. New Gauhati Goods Shed, Moradabad, Ludhiana and Hyderabad.

(6) The procedure for filing application for transferable advance licence is given in Para 368-B of Chapter XIX of Hand Book of Procedures, (Volume-I), 1990—93".

^{3.} Attention is also invited to the Hand Book of Procedures 1990-93 and to the Ministry of Commerce Public Notice No. 2-ITC (PN)/90—93 dated 30th March, 1990 as amended.

4. The following amendments shall be made in the Hand Book of Procedures at appropriate places indicated below:—

(1)

(2)

(3)

(4)

1. 80

Chapter XIX duty exemption scheme para 368-A After this para the fellowing shall be edded:-

"TRANSFI-RABLE ADVANCE LICENCE 368-B(1) Applications for grant of Transfcrable Advance Licences as covered by para 270-A of Import Policy should be made to the concerned Licensing Authorities, not below the rank of Deputy Chief Controller of Imports & Exports, as per jurisdiction given in Appendix II-B of this Book, in the format given Appendix XIX-N. At the top of the application the words "APPLICATION FOR TRANSFERABLE ADVANCE LICENCE" should be mentioned. The application should be accompanied with the following documents:—

- (i) E.P. Copy of the Shipping Bill or Bills of Exports with a specific endorsement of an Officer of Custom admitting the exports for the g ant of Transferable Advance Licence
- (ii) Bank Certificate of exports and realisation in the prescribed form; and
- (iii) Bank receipt/Demand Draft for appropriate amount towards application fee.
- (2) After verification of the documents the concerned licensing authority will issue a Transferable Advance Licence for the value taking into account the provision of Para 270A (4) of the Import Policy (Volume-I), 1990—93. DEEC Book in such cases will not be required.

8		THE GAZETTE	OF INDIA: EXTRAORDINARY	[PART I-Sec. 1]	
(1)	(2)	(3)	(4)	(4)	
			(4) The concerned licensing authority, while issuing the Transferable Advance Licence, shall endorse the fact of grant of such licence on the export document/documents against which the licence in question has been issued.		
			(5) No request for enhancement in the Cable Advance Licence shall be entered has been issued."		

5. The above amendments are made in public interest.

D.R. MEHTA, Chief Controller of Imports & Exports